



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 22 जून, 1991/1 आषाढ़, 1913

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

शुद्धि-पत्र

शिमला-2, 14 जून, 1991

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5) 26/77. — इस कार्यालय के सम संख्यक आदेश दिनांक 15 मई, 1991 के अन्तिम पैरा की तीसरी पंक्ति में चिह्न एवं शब्द “(निलम्बित)” जोकि शब्द “ग्राम पंचायत करगाणू” से पहले परन्तु शब्द “श्री हरनाम सिंह प्रधान” के बाद आते हैं का लोप किया जाता है।

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 14 जून, 1991

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5) 16/80. — यह कि ग्राम पंचायत, मलथेहड़, विकास खण्ड, मण्डी सदर, जिला मण्डी ने प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 18-1-86 द्वारा यह सूचित किया कि श्री राम चन्द्र, पंच, पंचायत की नियमित बैठकों से अकारण लगातार अनुपस्थित रह रहे हैं और इस सन्दर्भ में उन्हें उपायुक्त, मण्डी द्वारा उनके पत्र संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०-ए० (9) 77/86, दिनांक 9-8-88 द्वारा पद से निलम्बितार्थ कारण बताओ नोटिस दिया गया था।

और श्री राम चन्द्र उपरोक्त का उत्तर जो कि उन्होंने उपायुक्त को दिया तथ्यों पर आधारित न पाया गया और विभाग के समसंख्यक आदेश, दिनांक 23-9-89 द्वारा विषय में वस्तुस्थिति जानने हेतु जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया ;

यह कि जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट दिनांक 14-12-89 में यह व्यक्त किया है कि श्री राम चन्द्र उपरोक्त पंचायत की बैठकों से दिनांक 5-1-89 से लगातार अकारण अनुपस्थित रह रहे हैं, और सूचना देने पर भी ज्ञांच में शामिल न हुए ;

यह कि जांच रिपोर्ट पर उपायुक्त, मण्डी की टिप्पणी ली गई जिसके आंकने पर श्री राम चन्द्र उपरोक्त को पद से निष्कासनार्थ कारण बताओ नोटिस समसंख्यक पत्र दिनांक 16 जून, 1990 द्वारा दिया गया जिसकी पावती जबकि 18-7-90 को श्री रामचन्द्र ने मानी है जैसा कि खण्ड विकास अधिकारी, सदर मण्डी ने अपने पत्र संख्या एस0 बी0 एम0-मण्डी-पंच-4083, दिनांक 24-9-90 द्वारा व्यक्त किया है परन्तु श्री राम चन्द्र उपरोक्त ने नोटिस का उत्तर न दिया है और जिला पंचायत अधिकारी/उपायुक्त, मण्डी द्वारा स्मरण करवाने पर भी उन्होंने उत्तर न दिया है ;

और यह कि स्पष्ट है कि श्री राम चन्द्र उपरोक्त जबकि अकारण ग्राम पंचायत, मलथेहड़ की बैठकों से लगातार अनुपस्थित रह रहे हैं जिस कृत्य से उनकी पंचायत के कार्य में रुचि का अभाव और अपने पद के कर्तव्य की अवहेलना न केवल स्पष्ट होती है बल्कि उनके यह कृत्य हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (2) (डी) में विहित "दुराचार" की परिभाषा में आते हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उन शक्तियों के उपयोग में जो उन्हें उक्त अधिनियम की धारा 54 के उपबन्धों के अनुसार विहित है, श्री राम चन्द्र, पंच, ग्राम पंचायत, मलथेहड़, विकास खण्ड, सदर, मण्डी, जिला मण्डी को उनके पद से निष्कासित करने का आदेश सहर्ष देते हैं। अतः यह भी आदेशित करते हैं कि यदि उनके पास उक्त ग्राम पंचायत का कोई अभिलेख, निधि या सामान हो तो वह यह सभी इस आदेश की प्राप्ति के तुरन्त पश्चात् ग्राम पंचायत, मलथेहड़ के सचिव को सपुर्द कर दें।

हस्ताक्षरित/-

अवर सचिव ।

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 12 जून, 1991

संख्या 1548-1553.—क्योंकि श्री स्वाई राम, प्रधान, ग्राम पंचायत स्थाना, विकास खण्ड नगरोटा सूरियां ने अपने कार्यकाल में प्रधान होने के नाते सभा फण्ड का दुरुपयोग, गबन तथा कई प्रकार की अनियमितताएं की हैं, उनका विवरण पंचायत अभिलेख के अंकेक्षण पत्र अवेधि 4/83 से 3/90 में दिया गया है ;

और क्योंकि श्री स्वाई राम, प्रधान, ग्राम पंचायत स्थाना को उक्त कृत्यों के प्रति अपना पक्ष स्पष्ट करने हेतु हि0 प्र0 ग्राम पंचायत नियम, 1971 के नियम 77 के अधीन कारण बताओ नोटिस कार्यालय आदेश संख्या 1297-1301, दिनांक 13 मई, 1991 के अन्तर्गत दिया गया था ;

और क्योंकि उक्त प्रधान ने ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को उत्तरदायी ठहराया है परन्तु प्रधान पंचायत भी उत्तरदायित्व से छूट नहीं सकता। पंचायत द्वारा शेष वस्तुओं को बेचने और विक्रय राशि को जमा न करने से सिद्ध होता है कि प्रधान और ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी ने मिल कर पंचायत निधि का छलहरण किया है।

अतः मैं, एस० राय, उपायुक्त, जिला कांगड़ा स्थित धर्मशाला हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1968 को धारा 54 (1) के अन्तर्गत निहित है, श्री स्वाई राम, प्रधान, ग्राम पंचायत स्थाना, विकास खण्ड मंगरोटा सूरियां, जिला कांगड़ा को प्रधान पद से तुरन्त निशुल्क करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि इनके पास जो भी पंचायत सम्बन्धी सम्पत्ति, राशि तथा प्रलेख हों को तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को सौंप दें। निशुल्क की अवधि के दौरान उक्त श्री स्वाई राम पंचायत अथवा पंचायत समिति की किसी भी कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे।

एस० राय,
उपायुक्त,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

